कोटा विश्वविद्यालय

महाराव भीम सिंह मार्ग, कोटा

कुलगीत

कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय।

विश्व के शिक्षा गगन का अटल ध्रुव तारा हमारा।
पुण्य कोटा की धरा का विश्वविद्यालय हमारा।।

धन्य सलिला पावनी नदियाँ सतत् कल्याणकारी।
विश्वधर्मा जग विजयिनी ज्ञान की गरिमा हमारी।।

ये महाकवि सूर्यमल के शब्द का यश–गान करता।
संत पीपा के चिरंतन सत्य का गुण–गान करता।।

ये भरत की भूमि के युग धर्म का मानी सुयश है।
ये मनुजता के पुरातन मूल्य का पावन कलश है।।

अमर हाड़ौती वचन का एक प्रज्ञा पृष्ठ प्यारा।
शारदा पद्मासना वागेश्वरी का नयन तारा।।

ज्ञान अनुसंधान के विज्ञान की पावनकलाएँ।
विश्वस्तर के नये युग बोध की संभावनाएँ।।

ये हमारा तीर्थ है सम्मान से जीना सिखाया।
प्रेरणा देकर युवा जन–शक्ति का गौरव बढ़ाया।।

सर्व विद्यादान का अभियान प्राणों में उतारा।
पुण्य कोटा की धरा का विश्वविद्यालय हमारा।।

कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय।
कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय,कोटा विश्वविद्यालय।।

गीतकार : पं. नरेन्द्र मिश्र　　संगीतकार : डॉ. रोशन भारती

स्वर

डॉ. प्रेरणा शर्मा, डॉ. रोशन भारती, डॉ. राजेन्द्र माहेश्वरी, डॉ. पुनीता श्रीवास्तव
होमलता भारद्वाज,हर्षा जसवन्त,गुंजन हाडा,आयुषि मिश्रा,देवेन्द्र सक्सेना (तबला वादक)
संगीत विभाग, जे. डी. बी. राजकीय कन्या कला महाविद्यालय, कोटा (राजस्थान)